हुसूले इल्म में मददगार दुआऐं

1. رَبِّ اشْرَحْ لِیْ صَدْرِیْ○وَیَسِّرْلِیْٓ اَمْرِیْ○وَاحْلُلْ
عُقْدَةً مِّنْ لِّسَانِیْ○یَفْقَهُوْا قَوْلِیْ○ [طٰهٰ:25-28]

ऐ मेरे रब ! मेरा सीना खोलदे और मेरा काम आसान करदे और मेरी ज़बान की गिरह खोलदे ताकि वो मेरी बात समझ सकें.

2. رَبِّ زِدْنِیْ عِلْمًا [طٰهٰ:114]

ऐ मेरे रब! मेरे इल्म में इज़ाफ़ा कर.

3. اَللّٰهُمَّ فَقِّهْنِیْ فِی الدِّیْنِ. [صحیح البخاری:143]

ऐ अल्लाह ! मुझे दीन की समझ अता फ़रमा.

4. رَبِّ هَبْ لِیْ حُكْمًا وَّ اَلْحِقْنِیْ بِالصّٰلِحِیْنَ○وَاجْعَلْ لِّیْ
لِسَانَ صِدْقٍ فِی الْاٰخِرِیْنَ○وَاجْعَلْنِیْ مِنْ وَّرَثَةِ جَنَّةِ
النَّعِیْمِ○ [الشعرآء:83-85]

ऐ मेरे रब ! मुझे क़ुव्वते फ़ैसला अता फ़रमा और मुझे नेक लोगों से मिलादे और बाद में आने वालों में मेरी सच्ची नामवरी बाक़ी रख और मुझे नेअमतों भरी जन्नत के वारिसों में से बनादे.

5. اَللّٰهُمَّ اَلْهِمْنِیْ رُشْدِیْ وَاَعِذْنِیْ مِنْ شَرِّ نَفْسِیْ.
[سنن الترمذی:3483]

ऐ अल्लाह ! मुझे मेरी समझ बूझ इल्हाम करदे और मुझे मेरे नफ़्स की बुराई से बचा.

6. اَللّٰهُمَّ انْفَعْنَا بِمَا عَلَّمْتَنَا وَعَلِّمْنَا مَا یَنْفَعُنَا وَزِدْنَا عِلْمًا.

ऐ अल्लाह ! मुझे फ़ायदा दे उसके साथ जो तूने मुझे सिखाया और मुझे सिखा जो मेरे लिए फ़ायदामंद है और मेरे इल्म में इज़ाफ़ा फ़रमा.

7. اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَسْئَلُكَ عِلْمًا نَّافِعًا وَّ عَمَلًا مُّتَقَبَّلًا
وَّرِزْقًا طَیِّبًا. [مشکوٰۃ المصابیح:2498]

ऐ अल्लाह ! मैं तुझसे नफ़ाबख़्श इल्म,पाकीज़ा रिज़्क़ और क़ुबूल होने वाले अमल का सवाल करता हूँ.

© ALHUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

8.اَللّٰهُمَّ اِنِّیۡ اَعُوۡذُبِکَ مِنۡ عِلۡمٍ لَّا یَنۡفَعُ وَمِنۡ قَلۡبٍ لَّا یَخۡشَعُ وَمِنۡ نَّفۡسٍ لَّا تَشۡبَعُ وَمِنۡ دَعۡوَةٍ لَّا یُسۡتَجَابُ لَهَا.
[صحیح مسلم:6906]

ऐ अल्लाह ! बेशक मैं पनाह चाहता हूँ उस इल्म से जो नफ़ा ना दे,उस दिल से जो ना डरे,उस नफ़्स से जो सेर ना हो,उस दुआ से जो क़ुबूल ना की जाए.

9.اَللّٰهُمَّ اَرِنَا الۡحَقَّ حَقًّا وَّارۡزُقۡنَا اتِّبَاعَهُ وَاَرِنَا الۡبَاطِلَ بَاطِلًا وَارۡزُقۡنَا اجۡتِنَابَهُ [تفسیر ابن کثیر،ص:452]

ऐ अल्लाह ! हमें हक़ को दिखा और उस पर चलने की तोफ़ीक़ अता फ़रमा और बातिल को बातिल दिखा और उससे बचने की तोफ़ीक़ अता फ़रमा.

10.اَللّٰهُمَّ اجۡعَلۡ فِیۡ قَلۡبِیۡ نُوۡرًا وَّفِیۡ بَصَرِیۡ نُوۡرًا وَّفِیۡ سَمۡعِیۡ نُوۡرًا وَّعَنۡ یَّمِیۡنِیۡ نُوۡرًا وَّعَنۡ یَّسَارِیۡ نُوۡرًا وَّفَوۡقِیۡ نُوۡرًا وَّتَحۡتِیۡ نُوۡرًا وَّاَمَامِیۡ نُوۡرًا وَّخَلۡفِیۡ نُوۡرًا وَّاجۡعَلۡ لِّیۡ نُوۡرًا وَّفِیۡ لِسَانِیۡ نُوۡرًا وَّعَصَبِیۡ نُوۡرًا وَّلَحۡمِیۡ نُوۡرًا وَّدَمِیۡ نُوۡرًا وَّشَعۡرِیۡ نُوۡرًا وَّبَشَرِیۡ نُوۡرًا وَّاجۡعَلۡ فِیۡ نَفۡسِیۡ نُوۡرًا وَّاَعۡظِمۡ لِیۡ نُوۡرًا اَللّٰهُمَّ اَعۡطِنِیۡ نُوۡرًا. [مشکوٰۃ المصابیح:1195]

ऐ अल्लाह डालदे मेरे दिल में नूर,मेरी आंखों में नूर,मेरे कानों में नूर,मेरे दाऐं नूर,मेरे बाऐं नूर,मेरे ऊपर नूर मेरे नीचे नूर,मेरे आगे नूर,मेरे पीछे नूर,और बनादे मेरे लिए नूर,मेरी ज़बान में नूर,और बनादे मेरे पट्ठे नूरानी,मेरा गोश्त नूरानी,मेरा ख़ून नूरानी,मेरे बाल नूरानी,मेरी जिल्द नूरानी और डालदे मेरे नफ़्स में नूर और बढ़ादे मेरे लिए नूर,ऐ अल्लाह ! मुझे नूर अता फ़रमा.

AlHuda Welfare Trust India
Post Box Number 444, Basavanagudi Bangalore 560004 ,India
+918040924255. | +91-9535612224
alhuda.india@gmail.com
www.alhudapk.com
www.farhathashmi.com
AL-HUDA Publications (Pvt) Ltd.